MODULE

NURTURING KNOWLEDGE

MASTER THE SMART AND EFFICIENT LEARNING

Session 04

Study Effectively: Identify Your Learning Pattern

प्रिय संकल्प अभ्यर्थियों!

हम सब अपनी पढ़ाई में स्मार्ट बनना चाहते हैं, है ना? लेकिन स्मार्टली कैसे पढ़ाई की जाए, इसके बारे में कम ही बताया जाता है। आज हम इसी विषय में एक बहुत जरूरी बात सीखने जा रहे हैं।

स्मार्ट पढ़ाई का पहला कदम है खुद के बारें में जानना, मतलब, अपने सीखने की पैटर्न को पहचानना और उसी तरीके से पढ़ाई करना।

लर्निंग पैटर्न पैटर्न

क्या है?

सीखने की पैटर्न (लर्निंग पैटर्न) मतलब जानकारी को प्राप्त करने, उनको समझने और याद रखने का तरीका। प्रत्येक छात्र अलग-अलग तरीके से सीखता है। उदाहरण के लिए, कुछ लोग वीडियो देखना पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग चीजों को खुद से करके बेहतर सीखते हैं। अगर हम जान जाएं कि हमें कौन सा तरीका सबसे अच्छा मालूम होता है, तो हम आसानी से और जल्दी पढ़ाई कर सकते हैं।

स्मार्ट और प्रभावी अध्ययन के लिए अपने सीखने के तरीकों को जानना महत्वपूर्ण है।

आइए विभिन्न प्रकार की सीखने की शैलियों का पता लगाएं।

मनोवैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने गहन अध्ययन और सिद्धांतों से पाया है कि सीखने के 3 से 170 विभिन्न प्रकार के तरीकें हैं। जिनमें VARK मॉडल सुप्रसिद्ध है, जिसे 1992 में फ्लेमिंग और मिल्स ने बतलाया था। यह मॉडल सीखने की शैलियों को चार प्राथमिक प्रकारों में बाँटता है: दृश्य, श्रवण, पढ़ना-लिखना और गतिज। Visual (दृश्य), Auditory (श्रवण), Reading-Writing (पढ़ना-लिखना) और Kinaesthetic (गतिज)।

आइए, इन्हें विस्तार से समझते हैं

1. Visual Learner - देखकर सीखते है

दृश्य शिक्षार्थी आलेख, चार्ट, चित्र, वीडियो और प्रदर्शन जैसे दृश्य प्रारूपों में प्रस्तुत की गई जानकारी को पसंद करते हैं। उन्हें चीजों को देखना पसंद होता है और वे चित्रों से सब कुछ समझ जाते हैं। जब वे विषयों को मन में चित्रित कर लेते हैं तो वे तुरंत ही याद कर लेते हैं। वे अक्सर जानकारी को बेहतर ढंग से याद करते हैं जब यह दृश्य माध्यम से जुड़ी होती है।

कार्यों को अधिक कुशलता से पूरा करने के लिए वे कह सकते हैं, "दिखाओ मुझे" या "मुझे वह देखने दो"।

2. Auditory Learners – सुनकर सीखते है

श्रवण शिक्षार्थी सुनकर सबसे अच्छे से जानकारी ग्रहण करते हैं। वे व्याख्यान, चर्चाओं, ध्वनियों और ऑडियो सामग्री से लाभान्वित होते हैं। वे अक्सर गीत के बोल आसानी से याद रखते हैं और कक्षा में सबसे अधिक भाग लेने हो सकते हैं।

वे कह सकते हैं, "मुझे बताओ" या "चलो इस पर बात करते हैं" और निर्देशों को सुनने के बाद कार्यों को अधिक सफलतापूर्वक पूरा करते हैं।

3. Reading / Writing Learners - पढ़कर और लिखकर सीखते है

पढ़ने/लिखने वाले शिक्षार्थी पठन आधारित शिक्षा पर जोर देते हैं और पढ़ने और लिखने की गतिविधियों से लाभ उठाते हैं। वे जानकारी को सबसे अच्छा तब जान पातें हैं जब वह लिखित रूप में हो, चाहे लिखकर या पढ़कर। उनको नोट्स बनाना, पाठ का सारांश बनाना और लिखित सामग्री से जुड़ने में बहुत आनंद आता है।

वे लेखन के माध्यम से खुद को व्यक्त करना पसंद करते हैं, जर्नल या डायरी रखते हैं, लेख पढ़ते हैं, विस्तृत नोट लेते हैं, शब्दकोश का संदर्भ लेते हैं और उत्तर खोजने के लिए सर्च इंजन का उपयोग करते हैं।

4. Kinaesthetic / Tactile Learners - गतिविधि/क्रिया द्वारा सीखते है

काइनेस्थेटिक (गतिज) शिक्षार्थी कार्य करने और अनुभव करने के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करते हैं। वे शारीरिक गतिविधियों जैसे छूना, महसूस करना, पकड़ना और हाथों से अनुभव करना पसंद करते हैं। वे अक्सर स्थितियों पर कार्य करना पसंद करते हैं और अपने शरीर को सीखने के माध्यम के तौर पर उपयोग करते हैं।

कक्षा में, वे अस्थिर और अनाड़ी दिख सकते हैं, उन्हें स्थिर बैठने में कठिनाई हो सकती है, और अभ्यास के दौरान उन्हें बार-बार विश्राम लेने की आवश्यकता हो सकती है। वे व्यावहारिक कार्य और व्यावहारिक गतिविधियाँ पसंद करते हैं।

ये VARK चार प्राथमिक शिक्षण शैलियाँ हैं। सीखने की अन्य शैलियाँ भी हैं।

Logical/Analytical learners (तर्क द्वारा सीखने वाले शिक्षार्थी):

इन शिक्षार्थियों को सब कुछ समझने के लिए सोचना और कारण निकालना पसंद होता है। वे अपने शिक्षण में कारण, पद्धति और परिणामों को जानने के लिए सवाल पूछते हैं और चीजों को जोड़कर समझते हैं। समस्या-समाधान बहुत कुशलता से करते हैं और तथ्यों के आधार पर परिणाम पर पहुँचते हैं।

Social/Linguistic learners (सामाजिक/ भाषाकीय शिक्षार्थी):

ये लोग दूसरों के साथ मिलकर काम करना पसंद करते हैं। वे बातचीत करके, प्रश्न पूछकर और कहानियाँ बताकर और दूसरों के साथ बातचीत करके सामाजीकरण की प्रक्रिया से काम करके सीखते हैं।

Solitary Learners (एकान्त शिक्षार्थी):

एकल शिक्षार्थियों के रूप में भी जाने जाने वाले, ये व्यक्ति दूसरों के साथ बातचीत किए बिना अकेले अध्ययन करना पसंद करते हैं। वे अपने आप ही चीजों को समझने की कोशिश करते हैं। अकेले हो सके ऐसे काम, जैसे - डायरी रखना और समस्याओं को स्वतंत्र रूप से हल करना इत्यादि में कुशल होते हैं।

Nature learners (प्रकृति से सीखने वाले):

प्रकृति शिक्षार्थी प्रकृति के संपर्क में रहते हैं, और शांत, आरामदायक अध्ययन-वातावरण पसंद करते हैं। हालाँकि बाहर सीखना हमेशा संभव नहीं हो सकता है, पाठों को समझते समय प्रकृति से संबंधित उदाहरणों को लाना उनके लिए फायदेमंद हो सकता है।

महत्वपूर्ण नोट: ज्यादातर लोगों में सीखने की कई शैलियों का संयोजन होता है। लेकिन आमतौर पर उनकी प्रमुख शैली एक ही होती है। प्रत्येक शैली में पूरक शिक्षण पद्धतियाँ होती हैं।

LET'S DO !T

क्या आप अपने प्रभावी शिक्षण पैटर्न की पहचान करने के लिए उत्साहित हैं?

Words of WISDOM

"Knowing yourself is the beginning of all wisdom."

-Aristotle

साइकोमेट्रिक परीक्षण: सीखने के तरीके की पहचान करने के लिए एक उपकरण

साइकोमेट्रिक परीक्षण आपके सीखने के तरीके की खोज के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। इसे मानसिक क्षमताओं और व्यवहार शैलियों को मापने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो यह पहचानने में मदद करता है कि लोग कैसे सीखना और जानकारी प्राप्त करना पसंद करते हैं।

साइकोमेट्रिक टेस्ट लेने के लिए दिशानिर्देश:

परीक्षण में बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) शामिल होंगे, जो विशेष रूप से विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए जाएंगे।
परीक्षा अंग्रेजी में होगी। प्रश्नों को समझने में मदद के लिए 'संकल्प अभिभावक' के साथ बैठने की सलाह दी जाती है।
प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से दें। आप जितने सच्चे होंगे, आपके परिणाम उतने ही सटीक होंगे।
ऐसे उत्तर चुनें जो आपकी वास्तविक रुचियों/ प्राथमिकताओं को सर्वोत्तम रूप से दर्शाते हों। ज़्यादा सोचने के बजाय अपनी पहली सोच/ सहज प्रेरणा के साथ आगे बढ़ें।
याद रखें, यह आत्म-खोज का एक उपकरण है, इसलिए कोई उत्तर गलत नहीं हैं।
यदि समय शेष रहता है, तो विभिन्न परीक्षण लेने और परिप्रेक्ष्य पाने के लिए परिणामों की तुलना करें।

यहां कुछ निःशुल्क साइकोमेट्रिक परीक्षणों के लिंक दिए गए हैं:

Test:1	Test:2	Test:3	Test:4	Test:5
पहले परीक्षण का परिणाम	दूसरे परीक्षण का परिणाम	तीसरे परीक्षण का परिणाम	चौथे परीक्षण का परिणाम	पाँचवे परीक्षण का परिणाम
-------------	-------------	-------------	-------------	-------------

(परीक्षण के परिणाम अलग-अलग हैं। चिंता न करें। हमें बहुमत के आधार पर परिणाम पर विचार करना चाहिए।)

प्रश्न-1: ये परीक्षण के परिणाम हमें आपकी सीखने की शैली के बारे में क्या बताते हैं?

____

____

____

____

स्मार्ट अध्ययन के लिए स्मार्ट सुझाव:

हर किसी के पास नई जानकारी सीखने और समझने का एक अनोखा तरीका होता है। अपनी सीखने की शैली की पहचान करना एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन स्मार्ट तरीके से अध्ययन करने के लिए, आपको अपनी प्रमुख सीखने की शैली का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने की आवश्यकता है। अपने अध्ययन के तरीकों को अपनी सीखने की शैली के अनुरूप ढालने से आपकी समझ में वृद्धि हो सकती है, माहिती को पुनः याद करने की कुशलता में सुधार हो सकता है और अध्ययन करना अधिक मनोरंजक हो सकता है।

अब, आइए प्रत्येक प्रकार के शिक्षार्थी के लिए विशिष्ट अध्ययन के सुझाव देखें!

Visual Learners के लिए अध्ययन सुझाव:

इन शिक्षार्थियों को निम्नलिखित से अधिक लाभ मिलता है:

#छवियाँ और आलेख

#ग्राफिक्स और दृश्य

#चार्ट

#मानचित्र

#माइंड मैपिंग

#फ़्लैशकार्ड

{ये सभी Points को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत करें| संभव हो तो कम जगह का इस्तेमाल करें|}

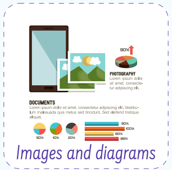
Images and diagrams

Graphics and visuals

Charts

Maps

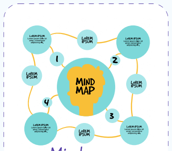

Mind-maps

Flashcards

तो, उनके लिए सुझाव निम्नलिखित हैं:

1. **माइंड मैपिंग:** विचारों को व्यवस्थित करने और अवधारणाओं को जोड़ने के लिए मध्य में मुख्य विचार/ तथ्य और बाहर की शाखाओं वाले दृश्य मानचित्रों का उपयोग करें।
2. **रंग-संकेतीकरण:** जानकारी को व्यवस्थित करने और याद रखने के लिए विभिन्न रंगों का उपयोग करें। याददाश्त में सुधार के लिए मुख्य बिंदुओं को अलग-अलग रंगों में हाइलाइट/ रेखांकित करें।
3. **छवियों के साथ फ़्लैशकार्ड:** अभ्यास का सुप्रसिद्ध माध्यम है। फ़्लैशकार्ड जो महत्वपूर्ण तथ्यों के लिए चित्रों और पाठ को जोड़ते हैं।
4. **आलेख और फ़्लोचार्ट:** जटिल जानकारी को आलेख और फ़्लोचार्ट में परिवर्तित करने से दृश्य शिक्षार्थी को लाभ होता है। यह जानकारी को सरल भागों में अलग करने में मदद करता है।
5. **चित्रमय कहानी सुनाना:** चित्रों के माध्यम से विचारों को समझाना। चित्रण या कॉमिक स्ट्रिप्स जहां विषयों को दृश्य वर्णन की आवश्यकता होती है।
6. **वीडियो और मल्टीमीडिया:** समझ बढ़ाने के लिए दृश्य सहायता वाले वीडियो देखें।
7. **इन्फोग्राफिक्स:** चार्ट, टेबल, वेन आरेख जैसे माहिती या तथ्यों के दृश्य माध्यम।
8. **पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन:** छवियों और बुलेट बिंदुओं के साथ विषयों को सारांशित करने के लिए डिजिटल रूप से स्लाइड बनाएं।
9. **प्रतीक और प्रतिमान:** विचारों को प्रस्तुत करने और जानकारी को तुरंत याद करने के लिए प्रतीकों का उपयोग करें।
10. **विजुअल लर्निंग ऐप्स:** जानकारी को व्यवस्थित और प्रस्तुत करने के लिए चार्ट और आरेख वाले ऐप्स का उपयोग करें।
11. **दृश्य अध्ययन के योग्य वातावरण बनाएं:** अपने अध्ययन स्थान को पोस्टर जैसे दृश्य संकेतों के साथ व्यवस्थित करें।
12. **दृश्य समय प्रबंधन:** कार्यों को प्रबंधित करने के लिए रंग-निर्दिष्ट कैलेंडर और कार्य सूचियों का उपयोग करें।
13. **दूसरों के साथ सहयोग करना:** दृश्य प्रस्तुतियों और आरेखों का उपयोग करने वाले समूह में शामिल हों।

EXPLORE
LEARN MORE

**Learn tips for
Visual learners in details.**

Auditory Learners के लिए अध्ययन सुझाव:

इन शिक्षार्थियों को निम्नलिखित बातों से अधिक लाभ मिलता है:

सुनना

बोलना

समूह चर्चा

मौखिक दोहराव

ध्वनि रिकॉर्डिंग

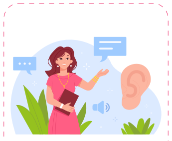
Listening

Speaking

Group discussions

Verbal repetition

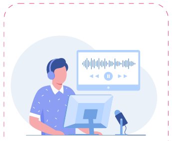
Sound recordings

तो, उनके लिए सुझाव निम्नलिखित हैं:

1. **समूह चर्चाएँ:** श्रवण शिक्षार्थी जब दूसरों के साथ विचारों के बारे में बात करते हैं तो वे बेहतर ढंग से समझते हैं। समझ को बेहतर बनाने के लिए अध्ययन समूहों में विचारों पर ज़ोर से चर्चा करें।
2. **ऑडियोबुक और पॉडकास्ट:** श्रवण शिक्षार्थियों को सिर्फ पढ़ने की तुलना में सुनना आपको बेहतर सीखने में मदद कर सकता है। अन्य गतिविधियाँ जैसे चलना आदि करते समय शैक्षिक सामग्री सुनें।
3. **निमोनिक्स और राइम्स:** बेहतर याददाश्त के लिए जानकारी को राइम्स और मेमोरी ट्रिक्स के साथ जोड़ना। तथ्यों को तुकबंदी या जिंगल में बदलें - सूचियों को याद रखने के लिए छोटे वाक्य बनाएं।
4. **व्याख्यानों को सक्रिय रूप से सुनना:** इसमें केवल शब्दों को सुनना ही नहीं बल्कि जानकारी के ऊपर प्रक्रिया करना भी शामिल है। मुख्य मुद्दों को पकड़ने के लिए व्याख्यान के दौरान स्वर और भार पर ध्यान दें।
5. **नोट्स को रिकॉर्ड करें और दोबारा चलाएं:** याददाश्त को मजबूत करने के लिए अपने पाठों या अपने नोट्स को दोबारा सुनने के लिए रिकॉर्ड करें।
6. **ऑडियो लर्निंग टूल:** ऐसे ऐप्स और टूल जो सुनने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जैसे भाषा सीखने वाले ऐप्स। पाठों का अभ्यास करने के लिए ऐसे भाषा ऐप्स और ऑडियो सामग्री का उपयोग करें।
7. **मौखिक दोहराव:** किसी बात को ज़ोर से कहने से याद रखने में मदद मिलती है। याद रखने के लिए मुख्य शब्दों और नोट्स को ज़ोर से पढ़ें।
8. **सारांश रिकॉर्डिंग:** आसान समीक्षा के लिए आपने जो अध्ययन किया है उसका सारांश रिकॉर्ड करें और सुनें।

Learn tips for Auditory learners in details.

Reading/Writing Learners के लिए अध्ययन सुझाव:

इन शिक्षार्थियों को निम्नलिखित से अधिक लाभ मिलता है:

- # पढ़ना
- # लेखन
- # विस्तृत नोट्स बनाना
- # पुनरावर्तन करने के लिए नोट्स को दोबारा लिखना
- # जानकारी को शब्द-रूप में देखना

तो, उनके लिए सुझाव निम्नलिखित हैं:

1. **लिखित संसाधनों का लाभ उठाएं:** पाठ्य पुस्तकें, लेख और नोट्स पढ़ना आपके लिए सबसे अच्छा काम करता है। पाठ्य पुस्तकों, लेखों से अध्ययन करें और विस्तृत कक्षा नोट्स लें।
2. **प्रभावी नोट-लेखन:** व्यवस्थित नोट्स लेने से आपको बेहतर याद रखने में मदद मिलती है। नोट्स को शीर्षकों के साथ व्यवस्थित करें और जानकारी को अपने शब्दों में सारांशित करें।
3. **लेखन अभ्यास:** लिखने से आप जो सीखते हैं उसे याद रखने में मदद मिलती है। आपने जो सीखा है उसे सुदृढ़ करने के लिए निबंध और सारांश लिखने का अभ्यास करें।
4. **पढ़ने की कार्यनीतियाँ:** जानकारी को बनाए रखने के लिए मुख्य विचारों पर ध्यान केन्द्रित करें, स्कैन करें, संक्षिप्त विवरण बनाएं और फिर से पढ़ें। तकनीकें जो आपको बेहतर ढंग से पढ़ने और समझने में मदद करती हैं।
5. **अध्ययन का माहौल:** एक अच्छी जगह पढ़ना और लिखना आसान बनाती है। नोटबुक और हाइलाइटर जैसे साधन के साथ एक शांत, व्यवस्थित स्थान बनाएं।
6. **लिखित निर्देश:** लिखित निर्देश आपको मौखिक निर्देशों की तुलना में बेहतर सीखने में मदद करते हैं। कार्यों को अपनी गति से कार्यान्वित करने के लिए लिखित निर्देशों को प्राथमिकता दें।
7. **लेखन के लिए डिजिटल उपकरण:** ऐप्स और सॉफ़्टवेयर नोट लेना आसान बनाते हैं। संगठन के लिए OneNote या Google डॉक्स जैसे नोट लेने वाले ऐप्स का उपयोग करें।
8. **अभ्यास प्रश्न:** लिखित प्रश्नों का उत्तर देने से आपको बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। लिखित प्रश्नों के उत्तर दें और समझ को गहरा करने के लिए केस स्टडी पर काम करें।
9. **सहयोग:** नोट्स का आदान-प्रदान करने और सहपाठी द्वारा लिखित कार्य की समीक्षा करने के लिए अध्ययन समूहों में शामिल हों। सहपाठियों के साथ लिखित कार्य साझा करने से समझ में सुधार होता है।
10. **चिंतन:** आपने जो सीखा है उसके बारे में लिखने से आपको अपनी प्रगति को समझने में मदद मिलती है। अपने सीखने पर विचार करने और अपनी समझ का आकलन करने के लिए एक जर्नल रखें।

EXPLORE
LEARN MORE

Learn tips for Reading/Writing learners in details.

Kinaesthetic Learners के लिए सुझाव:

इन शिक्षार्थियों को निम्नलिखित बातों से अधिक लाभ मिलता है:

हलन-चलन
स्पर्शनीय निरूपण
नमूने और सामग्री
शारीरिक बातचीत
व्यवहारिक अभिगम
अनुभव और अभ्यास

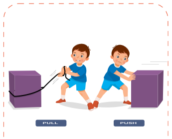
Movement

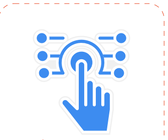
Tactile representations

Models and materials

Physical interactions

Hands-on approaches

Experience and practice

उनके लिए सुझाव निम्नलिखित हैं:

सक्रिय शिक्षण तकनीकें: क्रिया करके सीखना गतिसंवेदनशील शिक्षार्थियों के लिए आवश्यक है। प्रयोग, मॉडल निर्माण, या भूमिका-निभाने जैसी व्यावहारिक गतिविधियों में संलग्न रहें।

1. **गति-आधारित शिक्षा:** स्पर्शीय शिक्षार्थियों के लिए गति महत्वपूर्ण है, पढ़ाई करते समय चलें या सीखने को सुदृढ़ करने के लिए संकेतों का उपयोग करें।
2. **शारीरिक अध्ययन-वातावरण:** अध्ययन करते समय चलने-फिरने के लिए खड़े डेस्क या आरामदायक बैठक का उपयोग करें।
3. **इंद्रियों को शामिल करें:** सीखने को मनोरंजक बनाने के लिए पृष्टभूमि, सुगंध या यहाँ तक कि स्वाद वाली सामग्री (जैसे खाना पकाने या रसायन विज्ञान में) का उपयोग करें। विभिन्न विषयों के लिए सुगंधित कलम या मार्कर का उपयोग करें।
4. **प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा:** पाठों को वास्तविक जीवन से जोड़ने के लिए रचनात्मक परियोजनाओं (प्रोजेक्ट्स), जैसे कला या DIY (खुद से की जानेवाली) परियोजनाओं में संलग्न रहें।
5. **मेमोरी तकनीक:** जानकारी को टुकड़ों में तोड़ें, रंग-कोडिंग का उपयोग करें, और भिन्नता के साथ दोहराएं।
6. **याद रखने की तकनीकें:** जानकारी को छोटे-छोटे भागों में बाँटें। रंग कोडिंग का इस्तेमाल करें। अलग-अलग तरीकों से दोहराएँ।
7. **तकनीक का उपयोग:** व्यावहारिक सीखने के लिए इंटरैक्टिव ऐप्स, टचस्क्रीन डिवाइस और शैक्षिक गेम का उपयोग करें।
8. **परंपरागत तरीकों को अपनाना:** फफ्लैप, ड्राइंग आदि के साथ इंटरैक्टिव नोटबुक का उपयोग करें। रोल-प्लेइंग गेम और समूह प्रोजेक्ट सहायक होंगे।
9. **समस्या समाधान:** जटिल अवधारणाओं को समझने के लिए भौतिक मॉडल और पहेलियों का उपयोग करें।

Learn tips for
Kinesthetic learners in details.

प्रश्न-2: आप क्या सोचते हैं? कौन सी अध्ययन युक्तियाँ आपकी सीखने की शैली से मेल खाती हैं?

प्रश्न-3: आप इन शिक्षण शैली युक्तियों को अपने दैनिक अध्ययन में कैसे लागू करेंगे?

Sankalp CHALLENGE

अपने संकल्प अभिभावक के साथ चर्चा की व्यवस्था करें। अपने सीखने के पैटर्न पर अपने विचार साझा करें और चर्चा करें कि आप अपनी शैली से मेल खाने वाली अध्ययन सुझावों को कैसे शामिल करने की योजना बना रहे हैं। फिर, अगले 15 दिनों तक अपनी पढ़ाई में इन युक्तियों का उपयोग करने का प्रयास करें। इसके बाद, अपना अनुभव यहां लिखें:

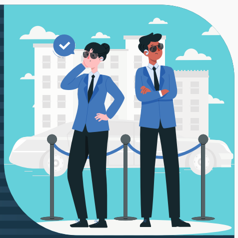

Sankalp GUARDIAN'S [space]

प्रिय संकल्प गार्डियन!

प्रभावी शिक्षण के लिए छात्र के सीखने के पैटर्न की पहचान करना महत्वपूर्ण है। एक बार जब छात्र इन शिक्षण युक्तियों को अपने अध्ययन में शामिल कर लेंगे, तो वे अधिक कुशलता से अध्ययन करने में सक्षम होंगे। उनके सीखने के पैटर्न को पहचानने में उनकी मदद करने में आपकी भूमिका आवश्यक है।

प्रश्नावली और साइकोमेट्रिक परीक्षण एक विधि हैं, लेकिन सीखने की शैलियों को निर्धारित करने के लिए **अवलोकन** एक और प्रभावी उपकरण है।

देखें कि छात्र स्वाभाविक रूप से कैसे सीखना और जानकारी के साथ बातचीत करना पसंद करते हैं। उनकी प्राथमिकताओं पर ध्यान दें - क्या वे चीजों को करके सीखना पसंद करते हैं, क्या वे चित्रों को देखकर सीखना पसंद करते हैं, क्या वे कुछ सुनकर सीखना पसंद करते हैं या क्या वे किताबें पढ़कर सीखना पसंद करते हैं।

प्रश्न-4: छात्र के सीखने के पैटर्न के संबंध में अपने अवलोकन लिखें।

___

___

___

___

___

___

कड़ी मेहनत और बौद्धिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करना:

कई कारक छात्रों के सीखने के परिणामों को प्रभावित करते हैं, जिनमें बौद्धिक जिज्ञासा, सामाजिक जुड़ाव, स्कूल-प्रणाली, आत्म-नियमन और कड़ी मेहनत शामिल हैं। छात्रों को प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करें और उनकी जिज्ञासा को बढ़ावा दें।

प्रश्न: आप छात्रों को कड़ी मेहनत करने और बौद्धिक जिज्ञासा विकसित करने के लिए कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं? इसके बारे में सोचो।

विचार करने योग्य सावधानियाँ:

- # **सीखने का विशिष्ट तरीका:** प्रत्येक छात्र का सीखने का एक का विशिष्ट तरीका होता है। एक शैली प्रमुख हो सकती है जबकि अन्य सहायक। किसी छात्र को केवल एक सीखने की शैली के साथ लेबल करना उसे कम आंक सकता है और उन्हें अन्य लाभकारी सीखने के तरीकों की खोज करने से रोक सकता है।

- # **सीखने की शैलियों को बढ़ावा:** एक प्रमुख सीखने की शैली का मतलब यह नहीं है कि एक छात्र अन्य शैलियों से लाभ नहीं उठा सकता है। छात्रों को अभ्यास और अनुभव के माध्यम से विभिन्न शिक्षण शैलियों का पता लगाने और विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

कार्य:

संकल्प उम्मीदवारों को उनकी सीखने की शैली पहचानने में मदद करने के लिए उनके साथ एक विशेष चर्चा सत्र आयोजित करें। उन्हें इस बारे में मार्गदर्शन करें कि वे अपनी सीखने की शैली से मेल खाने वाली अध्ययन तकनीकों को कैसे शामिल करें। वे इन तकनीकों को अपने अध्ययन में लागू कर रहे हैं कि नहीं यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करें।

Words of WISDOM

"The best inheritance a parent can give his children is a few minutes of his time each day."

-O. A. Battista

"सबसे अच्छी विरासत जो एक माता-पिता अपने बच्चों को दे सकते हैं, वह है हर दिन अपने समय में से कुछ मिनट।" - ओ. ए. बतिस्ता

sankalp SYNOPSIS

संकल्प उम्मीदवारों ने अधिक प्रभावी अध्ययन के लिए अपने सीखने के पैटर्न को जानने के महत्व को समझा है।

VARK मॉडल चार प्राथमिक प्रकार के शिक्षार्थियों की पहचान करता है: दृश्य (देखकर सीखें), श्रवण (सुनकर सीखें), पढ़ना/लिखना (पाठ द्वारा सीखें), और काइनेस्थेटिक (गतिविधि द्वारा सीखें)।

छात्रों ने अपने सीखने के पैटर्न की पहचान करने के लिए एक साइकोमेट्रिक परीक्षण लिया।

उन्होंने अपनी विशिष्ट शिक्षण शैली के अनुरूप स्मार्ट अध्ययन युक्तियाँ सीखीं।

संकल्प अभिभावक यह सुनिश्चित करेंगे कि छात्र इन तकनीकों को अपने दैनिक अध्ययन में लागू कर रहे हैं।

let's GEAR UP!

Session – 5: Bangladesh: From Independence to Unrest
Module: Contemporary World: 360-Degree Awareness
Pathway: Nurturing Knowledge

What's Next?

सामान्य जागरूकता के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि हमारे आसपास क्या हो रहा है। लेकिन किसी विषय को सभी कोणों से समझने से हमें अधिक संपूर्ण, 360-डिग्री दृष्टिकोण मिलता है।
हमारे मॉड्यूल, 'Contemporary World: 360-Degree Awareness' के हिस्से के रूप में, हम समसामयिक मुद्दों पर गहराई से विचार करेंगे। हाल ही में हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं।
क्या आप बांग्लादेश के बारे में और अधिक जानने के इच्छुक हैं? आगामी सत्र में, हम एक व्याख्यान में देश के इतिहास, अर्थव्यवस्था, राजनीति, संस्कृति और बहुत कुछ विषयों का पता लगाएंगे।

अगला संकल्प सत्र न चूकें!